

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
चमोली।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1,

देहरादून :दिनांक 16 अप्रैल, 2015

विषय:-

जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (DDMA), चमोली को सुदृढ़ कर पी.आई.यू. के रूप में स्थापित किये जाने तथा उनके माध्यम से श्री बद्रीनाथ धाम में चार धाम यात्रा से पूर्व में व्यवस्थाओं को सुचारु किये जाने हेतु कार्यों के सम्पादन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तराखण्ड राज्य में श्री बद्रीनाथ धाम में चार धाम यात्रा सम्बन्धी व्यवस्थाओं को सुचारु किये जाने हेतु जनपद में गठित जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (DDMA) के सुदृढ़ीकरण हेतु जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (DDMA) चमोली के अन्तर्गत परियोजना क्रियान्वयन इकाई (P.I.U.) गठित किये जाने की तथा उक्त कार्यों के सम्पादन हेतु ₹ 50.00 लाख की धनराशि आपके निर्वतन पर रखे जाने तथा व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्तानुसार गठित पी.आई.यू. द्वारा निम्नानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी:-

- 1) जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (DDMA) चमोली श्री बद्रीनाथ धाम में चार धाम यात्रा सम्बन्धी व्यवस्थाओं के सुचारु संपादन विषयक कार्यों हेतु परियोजना क्रियान्वयन इकाई (PIU) के रूप में कार्य करेगा, जिसका सम्पूर्ण पर्यवेक्षण एवं उत्तरदायित्व जिलाधिकारी का होगा। पी.आई.यू. के संचालन हेतु आवश्यक मानव संसाधन जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
- 2) श्री बद्रीनाथ धाम यात्रा मार्ग की विषम परिस्थितियों एवं सम्पादित किये जाने वाले कार्यों की तात्कालिकता के दृष्टिगत डी.डी.एम.ए. के अधीन कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा P.W.A. (Piece Work Agreement) अथवा वर्क चार्ज/मस्टर रोल पद्धति के आधार पर कार्य कराये जायेंगे।
- 3) उक्त कार्यदायी संस्थाओं को मस्टर रोल/वर्क चार्ज/पी.डब्ल्यू.ए. के माध्यम से किसी भी कार्य को करने हेतु निम्न छूट प्रदान की जायेगी:-
 - I. सामग्री का क्रय P.C.R. (Purchase committee) के माध्यम से करने हेतु आपूर्ति आदेश की सीमा एक बार में ₹ 25.00 लाख तक होगी।
 - II. P.W.A. (Piece Work Agreement) की सीमा ₹ 5.00 करोड़ तक होगी, एवं P.W.A. के माध्यम से कार्य करने हेतु पंजीकरण की बाध्यता नहीं होगी।
 - III. शासन द्वारा पूर्व में लिये गये निर्णय के अनुसार नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (NIM) हेतु पूर्व में स्वीकृत विशेष श्रमिक दरें इस पी.आई.यू. के कार्यों हेतु भी लागू होगी।
 - IV. सामग्री का ढुलान जिला पंचायत/जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित की गयी ढुलान दरों पर किया जायेगा।

(4)

-2-

- 4) उक्त पुनर्निर्माण कार्यों हेतु सामान्य निविदा प्रक्रिया में होने वाले विलम्ब से बचत हेतु डी.डी.एम.ए. को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 से मुक्त रखा जायेगा।
 - 5) डी.डी.एम.ए. के माध्यम से सम्पादित होने वाले कार्यों के तकनीकी सम्प्रेक्षण हेतु डी.डी.एम.ए. द्वारा स्थानीय 05 सदस्यीय टी.ए.सी. का गठन किया जायेगा।
 - 6) उपरोक्तनुसार कराये जाने वाले कार्यों के चयन, पर्यवेक्षण एवं सम्पादन का समस्त उत्तर दायित्व जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण का होगा तथा वह सुनिश्चित करेंगे कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण तथा समयान्तर्गत सम्पादित किये जायें। कराये गये कार्यों का पृथक से छाया चित्र आदि संरक्षित किया जायेगा।
 - 7) व्यय की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में लेखा परीक्षण/लेखांकन का सम्पूर्ण दायित्व जिलाधिकारी का होगा। व्ययोपरान्त जो धनराशि अवशेष रहती है उसे तत्काल शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
 - 8) उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या-06 के लेखाशीर्षक-2245 -प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80 सामान्य-800 अन्य व्यय-03 आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।
- 2- यह शासनादेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-01 P/XXVII(5)/2015-16, दिनांक 16 अप्रैल, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)
प्रभारी सचिव

संख्या- 1131 (1)/XVIII-(2)/2015-15(23)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- प्रमुख सचिव/सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 5- राज्य सूचना अधिकारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- अधिशासी निदेशक, डी०एम०एम०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)
प्रभारी सचिव